भारतीय गैर न्यायिक

एक सौ रुपये Rs. 100

रु. 100 ONE HUNDRED RUPEES

सत्यमेव जयते

भारत INDIA

INDIA NON JUDICIAL

झारखण्ड JHARKHAND

B 45

बेचें वो जिस तरह लेख्यकारी को हक वो हकुक एवं दखल कब्जा हासिल है सो सब लेख्यधारी को हस्तांतरित कर दिये वो बाज आये वो दर गुजरे।

चाहिए कि उपर्युक्त संपति पर लेख्यधारी मकान बनावें हाता दिलावें, बाग-बगीचा लगावें, लैट्रीन-बनावें चाहें जिस तरह अपने मसरफ में दर लावें, ला सकते है। इसमें लेख्यकारी तथा उनके वारिसान को कोई आपत्ति नही है और न भविष्य में होगा।

अब लेख्यधारी असल केवाला को अंचल कार्यालय मेदिनीनगर में पेस कर दाखिल खारीज करा लेवें वो मालगुजारी साल ब साल अदायकर लगान रसीद हासिल कर लिया करें इसमें लेख्यकारी तथा उनके वारिसान को कोई आपत्ति नही है और न भविष्य में होगा।

लेख्यकारी जरसम्मन का कुल रुपये रजिस्ट्री के पहले ही वसूल पा लिये अब बावत जरसम्मन का एक भी खरमोहरा बाकी जिम्मे खरीदार के पास नही है और न भविष्य में होगा।

इसलिए लेख्यकारी अपना तमाम नफा वो नुकसान खुद सोच समझ कर क्सीका केवाला वथला कलामी हाजा लिख दिया कि समय पर काम आवें वो भविष्य में प्रमाण रहे।